नौकरी के बहाने मूल मार्कशीट अपने पास रखकर करता था वसूली

- कंसलटेंसी संचालक ने 313 छात्रों का भविष्य बनाया बंधक
- आर्बिट मॉल स्थित ऑफिस से बरामद हुई बेरोजगारों की मूल अंकसूचियां

नव भारत न्यूज

इंदौर. नौकरी की तलाश में शहर आए विद्यार्थियों को निशाना बनाकर मूल अंकसूचियों के जरिए वसूली करने वाले कंसलटेंसी संचालक का खेल विजयनगर पुलिस ने उजागर किया है. आरोपी नौकरी लगवाने का झांसा देकर छात्रों की 10वीं और 12वीं की मूल मार्कशीट अपने पास रख लेता था और बाद में उन्हें वापस करने के लिए प्रति मार्कशीट 5 हजार रुपए मांग रहा था. पुलिस ने आरोपी के ऑफिस से 313 विद्यार्थियों की मूल अंकसूचियां बरामद की हैं. जोन 2 स्थित सभागार में ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि सोनकच्छ में रहने वाला 29 वर्षीय मयंक सर्राफ ने आर्बिट मॉल में एजेडएफए इंटरप्राइजेज नाम से कंसलटेंसी ऑफिस खोल रखा था. यहां वह निजी कंपनियों और संस्थानों में नौकरी दिलाने का काम करने का दावा करता था. नौकरी के लिए संपर्क करने वाले विद्यार्थियों से वह दस्तावेज के नाम पर उनकी मूल मार्कशीट ले लेता था. कुछ विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की कि नौकरी मिलने के बाद भी उनकी मार्कशीट वापस नहीं की जा रही है. जब उन्होंने दस्तावेज मांगे तो आरोपी ने पैसे की मांग शुरू कर दी. शिकायतों के बाद विजयनगर पुलिस ने जांच शुरू की तो मामले का खुलासा हुआ. पुलिस कार्रवाई में एडीसीपी अमरेंद्र सिंह और विजयनगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल की टीम शामिल रही.

छात्रों को धमकाने का भी आरोप

डीसीपी जोन 2 अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के आर्बिट मॉल स्थित ऑफिस की तलाशी ली. वहां से कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों की 313 मूल मार्कशीट बरामद हुईं. पुलिस अब इन सभी विद्यार्थियों से संपर्क कर उनके दस्तावेज लौटाने की प्रक्रिया कर रही है. कुछ पीड़ित विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि रुपए नहीं देने पर आरोपी उन्हें धमकाता था. पुलिस अब यह पता लगा रही है कि आरोपी ने कितने विद्यार्थियों से इस तरह दस्तावेज लिए और कितनों से रुपए वसूले. साथ ही इस पूरे खेल में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं.

फैक्ट फाइल...

- कागज नहीं, छात्रों का भविष्य था आरोपी के कब्जे में
- 313 विद्यार्थियों की मूल मार्कशीट बरामद
- 10वीं और 12वीं के दस्तावेज शामिल
- मार्कशीट लौटाने के बदले मांग रहा था 5 हजार रुपए
- आर्बिट मॉल में खोल रखा था कंसलटेंसी ऑफिस

टेंपो ट्रैवलर ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

- भैरव घाट पर हुआ हादसा, हादसे के बाद खाई में गिरा वाहन
- हादसे के बाद इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर लगा लंबा जाम

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर-इच्छापुर मार्ग स्थित सिमरोल थाना क्षेत्र के भैरव घाट पर सोमवार को तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर और बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरा.

मृतकों की पहचान विकास पिता कालू अचाले उम्र 22 साल और रोहित पिता वाल सिंह उम्र 24 साल के रूप में हुई है. हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना मिलने पर सिमरोल पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से पहले मध्यम भारत अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर किया जहां उनका इलाज किया जा रहा है. वहीं दुर्घटना के कारण इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई. दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रही. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभाली और मामले की जांच शुरू कर दी है.

कारणों की कर रहे जांच

भैरव घाट पर टेंपो ट्रैवलर और बाइक के बीच टक्कर हुई है. हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हुई है. घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है. दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है.

- सुरेश चौहान, एएसआई, सिमरोल थाना

डीएनए रिपोर्ट से खुलेगा राज, अखिलेश के शव की पहचान पर सस्पेंस बरकरार

उर्मिला हत्याकांड में आठ दिन की फरारी और सुसाइड नोट की जांच में जुटी पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड में आरोपी पति अखिलेश सैनी के शव को लेकर अब भी संशय बना हुआ है. गंजबासौदा रेलवे ट्रैक पर मिले सिरकटे शव को परिजन अखिलेश का बता रहे हैं, लेकिन पुलिस वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही इसकी पुष्टि करेगी. पुलिस को अब डीएनए जांच रिपोर्ट का इंतजार है. रिपोर्ट आने के बाद ही शव की पहचान और मौत की परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

संयोगितागंज थाना प्रभारी केपी यादव ने बताया कि गंजबासौदा पुलिस से अभी केस डायरी प्राप्त नहीं हुई है. डायरी मिलने के बाद सुसाइड नोट, घटनाक्रम और अन्य साक्ष्यों की स्थिति स्पष्ट होगी.

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उर्मिला की हत्या के बाद अखिलेश आठ दिन तक कहां रहा और रेलवे ट्रैक पर मिला शव किन परिस्थितियों में पहुंचा. जांच में यह भी सामने आया है कि अखिलेश अपने दोनों मोबाइल फोन, स्कूटी और एटीएम कार्ड घर पर छोड़ गया था. बच्चों के स्कूल से निकलने के दौरान उसने ऐसा रास्ता चुना था, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे. पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि कहीं उसने जांच को भटकाने के लिए कोई सुनियोजित कदम तो नहीं उठाया. गौरतलब है कि रेलवे ट्रैक पर एक सिरकटा शव मिला था. शव के पास से मिले आधार कार्ड, दस्तावेज और सुसाइड नोट के आधार पर अखिलेश के पिता सीताराम सैनी और भाई चित्रेश सैनी ने उसकी पहचान की थी. अखिलेश के पिता सीताराम ने शरीर पर मौजूद कुछ निशानों के आधार पर भी शव को बेटे का बताया. उन्होंने पुलिस को बताया कि अखिलेश की नाभि में बीमारी के कारण सूजन थी और शरीर पर सफेद दाग भी थे. हालांकि पुलिस का कहना है कि अंतिम पुष्टि डीएनए जांच के बाद ही होगी. वहीं फोरेंसिक एक्सपर्ट का मानना है कि डीएनए जांच से मृतक की पहचान स्पष्ट हो जाएगी, लेकिन मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह जानने के लिए शरीर के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों की जांच जरूरी है. सिर नहीं मिलने के कारण चोट और अन्य फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर मौत के तरीके का पता लगाना चुनौतीपूर्ण होगा.

तीन सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आई-शव के पास से तीन सुसाइड नोट मिलने की बात भी सामने आई है. इनमें एक पिता सीताराम सैनी के नाम, दूसरा बेटे अव्यक्त उर्फ प्रायु के नाम और तीसरा पुलिस के नाम बताया जा रहा है. पुलिस के नाम लिखे नोट में अखिलेश और उर्मिला के बीच विवाद तथा कुछ लोगों पर लगाए गए आरोपों का उल्लेख है, पुलिस इन दावों की भी जांच कर रही है. मामले में एक प्रमुख तथ्य यह भी सामने आया हैं कि अखिलेश की 15 वर्षीय बेटी प्रेक्षा ने शव को देखकर पहचान करने से इनकार कर दिया. उसका कहना था कि सिर नहीं होने की स्थिति में वह निश्चित रूप से शिनाख्त नहीं कर सकती. वहीं, सात वर्षीय बेटा अव्यक्त उर्फ प्रायु फिलहाल खंडवा में नाना नानी के साथ रह रहा है. परिजन ने उसे अभी तक पिता की मौत की जानकारी नहीं दी है.

सभी तथ्यों का परीक्षण कर पुष्टि की जा रही है...

मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. केस डायरी मिलने के बाद सुसाइड नोट और अन्य तथ्यों का परीक्षण किया जाएगा. डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही शव की पहचान की अंतिम पुष्टि हो सकेगी. साथ ही फरारी के दौरान अखिलेश की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है.

- केपी यादव, थाना प्रभारी, संयोगितागंज

जून की एसीपी रैंकिंग में हीरानगर अव्वल, खजराना फिसड्डी

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस कमिश्नरेट ने जून माह में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के कार्यों का मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर दी है. इसके तहत विभिन्न मानकों पर किए गए आकलन में हीरानगर एसीपी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है, जबकि खजराना एसीपी सबसे कमजोर प्रदर्शन के साथ अंतिम स्थान पर रहे.

पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में शुरू की गई इस मूल्यांकन प्रणाली का उद्देश्य पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाना है. इसके तहत कमिश्नरेट के सभी 12 अनुभागों के एसीपी के कार्यों की हर माह अलग अलग मानकों पर समीक्षा की जाती है. जून माह की रैंकिंग में ज़ोन 3 के हीरानगर एसीपी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. जोन 4 के अन्नपूर्णा एसीपी दूसरे और ज़ोन 4 के जूनी इंदौर एसीपी तीसरे स्थान पर रहे. वहीं, निर्धारित मापदंडों पर सबसे कमजोर प्रदर्शन के कारण ज़ोन 2 के खजराना एसीपी अंतिम पायदान पर रहे.

प्रतिस्पर्धा और जवाबदेही को बढ़ावा देना उद्देश्य-पुलिस कमिश्नर, संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस मूल्यांकन व्यवस्था के माध्यम से अधिकारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा कर पुलिस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धा और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जा रहा है.

एक नजर में

मजदूरी की आड़ में करता था एमडी ड्रग्स सप्लाई

इंदौर. एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाले फरार आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है. आरोपी दिन में मजदूरी का काम करता था और इसी की आड़ में नशे के अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ था. पुलिस अब उससे ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है. क्राइम ब्रांच ने कुछ समय पहले एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया था. उसके कब्जे से 13.94 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई थी. इस कार्रवाई के बाद पकड़े गए आरोपी से पूछताछ और जांच में सामने आया कि फिरोज उर्फ महाराज भी इस मामले में शामिल है. इसके बाद से क्राइम ब्रांच उसकी तलाश कर रही थी. पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और लगातार जुटाई गई जानकारी के आधार पर फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी से एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाले लोगों, उसके स्रोत और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों के संबंध में जानकारी मिली है. पुलिस अब इन जानकारियों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है. पुलिस को आशंका है कि वह इसी काम की आड़ में लंबे समय से मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहा था. उससे पूछताछ पूरी होने के बाद इस मामले में और खुलासे होने की संभावना है. डीसीपी क्राइम, राजेश त्रिपाठी ने बताया कि एमडी ड्रग्स सप्लाई मामले में फरार आरोपी फिरोज उर्फ महाराज को गिरफ्तार किया है. पूछताछ में उससे ड्रग्स नेटवर्क से जुड़ी कुछ और जानकारियां मिली हैं. मामले में जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

मीणा समाज शक्ति संगठन की बैठक 26 को शुजालपुर में

इंदौर. मीणा समाज शक्ति संगठन की प्रदेश कार्यसमिति बैठक आगामी 26 जुलाई को शुजालपुर में आयोजित की जाएगी. इस बहुप्रतीक्षित बैठक में संगठन के शीर्ष पदाधिकारी, कोर टोली और जिलाध्यक्ष एक मंच पर एकत्रित होंगे. आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत, नगरीय निकाय और विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए बैठक में ठोस रणनीति तय की जाएगी. संगठन के प्रदेशाध्यक्ष राम घुणावत मीणा ने बताया कि बैठक में युवाओं और महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने कहा कि युवाओं को पारंपरिक खेती से आगे बढ़ाकर स्वरोजगार, स्टार्टअप और बड़े उद्योगों से जोड़ने के लिए एक विशेष रोड मैप तैयार किया जाएगा. साथ ही बैठक में मालवा, नर्मदांचल, मध्य भारत और चंबल प्रांत की टीमों का विस्तार और युवा एवं महिला विंग को मजबूत करना. पर्यावरण से जुड़े गोत्र वाटिका अभियान की समीक्षा करना, घर-घर मीनेश और एक घर एक पौधा अभियान का व्यापक आडिट, नए चेहरों को तराशने के लिए प्रशिक्षण वर्ग और नेतृत्व विकास की पाठशाला की रुपरेखा तैयार करना शामिल हैं.

एक्सयूवी की टक्कर से घायल बाइक सवार ने दम तोड़ा

इंदौर. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में बायपास पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई. तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार दो लोग घायल हो गए थे. इनमें से एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. मृतक का नाम 56 वर्षीय देवीसिंह पिता सीताराम, निवासी तपालघाटी बताया गया है. हादसा रात के समय बायपास क्षेत्र में हुआ. बताया जा रहा है कि एक्सयूवी कार की रफ्तार अधिक थी, जिसने बाइक सवार देवीसिंह और उनके साथी को टक्कर मार दी. टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिर गए. राहगीरों की मदद से उन्हें उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान देवीसिंह की मौत हो गई. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है.

सूने मकानों को बनाया निशाना, दो घरों से जेवर चोरी

इंदौर. शहर में सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाला गिरोह आए दिन वारदातों को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे रहा है. अब लसूड़िया थाना क्षेत्र के सैटेलाइट जंक्शन और ढाबली क्षेत्र स्थित ज्ञानशिला फेस 2 में चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर जेवरात चोरी कर लिए. क्लासिक टाउन, सैटेलाइट जंक्शन निवासी विनय गोखे ने पुलिस को बताया कि उनके घर की सुरक्षा के दौरान चोर अंदर घुस गए और सोने चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए. इसी तरह ढाबली क्षेत्र स्थित ज्ञानशिला फेस 2 में भी चोरी की वारदात सामने आई. यहां रहने वाले देवेंद्र राजपूत के घर में घुसे चोर पुराने सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गए. दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों की तलाश कर रही है.

ट्रेन में यात्रियों के मोबाइल और पर्स चोरी

जीआरपी इंदौर ने संबंधित थानों को भेजी जीरो एफआईआर

नव भारत न्यूज

इंदौर. ट्रेनों में यात्रियों के सामान चोरी होने के दो मामलों में जीआरपी इंदौर ने जीरो पर एफआईआर दर्ज कर संबंधित थानों को डायरी भेजी है. दोनों घटनाएं यात्रा के दौरान हुईं, जिनमें अज्ञात बदमाश यात्रियों के मोबाइल और पर्स चोरी कर ले गए.

पहला मामला नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का है. इंदौर निवासी ब्रिजेश मिश्रा 8 जुलाई को नई दिल्ली से इंदौर आने के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हो रहे थे. इसी दौरान उनकी पैंट की जेब में रखा वीवो कंपनी का मोबाइल, जिसकी कीमत करीब 15 हजार रुपए है, अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया. घटना स्थल नई दिल्ली जीआरपी क्षेत्र का होने से जीआरपी इंदौर ने जीरो एफआईआर दर्ज कर डायरी जीआरपी नई दिल्ली भेज दी.

वहीं दूसरा मामला हिसार इंदौर एक्सप्रेस का है. इंदौर निवासी शांति बाई 18 जुलाई को परिवार के साथ मथुरा से इंदौर आ रही थीं. यात्रा के दौरान वह ट्रेन के एस 6 कोच में बर्थ पर सो गईं. खाचरौद रेलवे स्टेशन के पास नींद खुलने पर सिरहाने रखा लेडीज पर्स गायब मिला.

नशे के लिए रुपए नहीं देने पर भतीजे ने की थी ताऊ की हत्या

- राजनगर के अंधे कत्ल का चंद घंटों में पुलिस ने किया खुलासा
- प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीसीपी ने मीडिया को दी जानकारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. चंदन नगर थाना क्षेत्र के राजनगर में हुए अंधे कत्ल का पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा कर दिया. हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि मृतक के सगे भतीजे ने ही की थी. आरोपी ने नशे की लत पूरी करने के लिए रुपए मांगे थे, लेकिन रुपए नहीं देने और पारिवारिक मनमुटाव के चलते उसने ताऊ की चाकू से गोदकर हत्या कर दी.

डीसीपी जोन 4 सुनील मेहता ने मामले का खुलासा करते हुए मीडिया को बताया कि राजनगर में रहने वाले 50 वर्षीय कमल कुमावत की हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम, डॉग स्क्वाड, फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ, वैज्ञानिक अधिकारी और साइबर टीम मौके पर पहुंची थी. पुलिस ने घटना स्थल से मिले साक्ष्यों के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की और परिवार व पड़ोसियों से पूछताछ की. जांच के दौरान पुलिस को मृतक के छोटे भतीजे 19 वर्षीय चेतन कुमावत पर संदेह हुआ, पूछताछ में वह घबरा गया. इसके बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने वारदात करना कबूल कर लिया. आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह ब्राउन शुगर के नशे का आदी है. नशे की जरूरत पूरी करने के लिए उसने ताऊ से रुपए मांगे थे, लेकिन रुपए नहीं मिलने पर उसने रात करीब ढाई बजे किचन से चाकू निकालकर ताऊ पर हमला कर दिया. उसने अलमारी से रुपए तलाशने का प्रयास किया, लेकिन रुपए नहीं मिले. इसके बाद उसने खून लगे हाथों के निशान दीवार पर लगाए और ऐसा दिखाने का प्रयास किया कि कोई बाहरी व्यक्ति दूसरे रास्ते से घर में आया था. आरोपी ने खून से सने कपड़े घर के पीछे फेंक दिए और हाथ पैर धोकर अपने कमरे में जाकर सो गया.

हत्या के अगले दिन जोर-जोर से चिल्लाकर पड़ोसियों को एकत्र किया

डीसीपी ने बताया कि अगले दिन सुबह आरोपी रोज की तरह काम पर जाने के लिए निकला, लेकिन चोट लगने के कारण सेठ ने उसे वापस भेज दिया. घर लौटने के बाद वह ताऊ के कमरे में गया और जोर जोर से चिल्लाकर परिवार व पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी. इसके बाद पड़ोसियों की मदद से मृतक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में उपयोग चाकू और खून लगे कपड़े भी जब्त कर लिए हैं. आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

होस्टल संचालक लापता: सूदखोरों का दबाव और प्रताड़ना का आरोप

- लापता होने से पहले पांच पेज के पत्र में बयां की परेशानी
- एक सप्ताह से लापता है संचालक, तलाश में जुटी पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. एक सप्ताह से लापता होस्टल संचालक को लेकर परिजन चिंतित हैं. लापता होने से पहले उसके द्वारा लिखा गया पांच पेज का पत्र मिलने के बाद मामला और गंभीर हो गया है. पत्र में उसने आर्थिक दबाव और कुछ लोगों द्वारा परेशान किए जाने की बात लिखी है. परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर उसकी जल्द तलाश की मांग की है.

सिर्वी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों से की बात

पत्र सामने आने के बाद सिर्वी समाज का प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिला और मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग रखी. परिजनों का आरोप है कि भगवान की तलाश में पुलिस को तेजी दिखानी चाहिए, क्योंकि देरी होने पर किसी अनहोनी की आशंका है. अधिकारियों के निर्देश के बाद मामले की जांच जूनी इंदौर पुलिस को सौंपी गई है. पुलिस अब लापता व्यक्ति की तलाश के साथ पत्र में लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है.

पुलिस के अनुसार, विष्णुपुरी में रहने वाले भगवान काग सोमवार से लापता हैं. परिजनों ने भंवरकुआं थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई है. परिजनों ने पुलिस को बताया कि घर से जाने से पहले भगवान एक पत्र छोड़ गया था, जिसमें उसने विष्णुपुरी निवासी ओमप्रकाश सलूजा और उनके बेटे सौरभ व गौरव पर गंभीर आरोप लगाए हैं. पत्र में भगवान ने दावा किया है कि ब्याज के लेन-देन के कारण वह लंबे समय से परेशान था. उसने करीब तीन करोड़ रुपए से अधिक राशि ब्याज के रूप में चुकाने का भी उल्लेख किया है. पत्र में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद भी उस पर दबाव बनाया जा रहा था और उसे धमकियां मिल रही थीं. भगवान ने पत्र में अपनी परेशानी का जिक्र करते हुए प्रशासन से संबंधित लोगों पर कार्रवाई की मांग भी की है.

डेबिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर खाते से उड़ाए 74 हजार रुपए

इंदौर. बैंक कर्मचारी बनकर ठगी करने वाले जालसाज ने डेबिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से 74 हजार रुपए निकाल लिए. विश्वास नगर निवासी रामगोपाल माली ने पुलिस को शिकायत कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है. आरोपी ने बैंक कर्मचारी बनकर मोबाइल पर संपर्क किया था. उसने कार्ड की लिमिट बढ़ाने की प्रक्रिया बताकर पीड़ित से जानकारी हासिल की, जिसके बाद खाते से रुपए निकल गए. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस आरोपी तक पहुंचने के लिए मोबाइल नंबर और ट्रांजेक्शन संबंधी जानकारी जुटा रही है.

1 किलो 286 ग्राम गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. विजय नगर पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 286 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है.

19 जुलाई को ऑपरेशन क्लीन के दौरान विजय नगर क्षेत्र में जीआरएस इंस्टीट्यूट के पास पुलिस टीम को एक युवक सुजुकी एक्सेस वाहन के साथ संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया. पुलिस को उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं, जिसके बाद पूछताछ और तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान उसके पिट्ठू बैग से गांजा मिला, जिसे जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है. प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़ी जानकारी मिली है. अब पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सप्लाई नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है. विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर मादक पदार्थ की सप्लाई के स्रोत और उससे जुड़े लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है.

एक नजर में

सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित कई पात्र हितग्राही जिम्मेदारों के चक्कर काट-काटकर निराश हो गए, पर उन्हें पेंशन नहीं मिल पा रही

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के दावों की पोल खोल रही जमीनी हकीकत

इंदौर. शहर में कई पात्र वृद्ध, दिव्यांग और निराश्रित लोग सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित हैं. जमीन पर उतरी इस स्थिति से कागजी दावों और वास्तविक लाभ के बीच की दूरी उजागर होती है. इससे योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के सरकारी दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं. उदाहरण स्वरूप शहर के वार्ड-64 स्थित तीन इमली चौराहे के पास न्यू त्रिवेणी नगर नई बस्ती को ही लें तो यहां कई हितग्राही चक्कर लगाकर थक गए और निराश होकर बैठ गए, उनको पेंशन शुरू नहीं हो सकी.

केंद्र एवं राज्य सरकार वृद्धावस्था, दिव्यांग और निराश्रित बुजुर्ग दंपती सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं संचालित कर रही हैं, ताकि जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक संबल मिल सके. लेकिन वार्ड क्रमांक 64 स्थित तीन इमली चौराहे से लगे न्यू त्रिवेणी नगर नई बस्ती में इन योजनाओं की जमीनी हकीकत अलग ही नजर आई. क्षेत्र में बातचीत के दौरान एक वृद्ध महिला वृद्धावस्था पेंशन, एक दिव्यांग हितग्राही पेंशन तथा एक निराश्रित बुजुर्ग दंपती संबंधित पेंशन योजना के लाभ से वंचित मिले. हितग्राहियों ने बताया कि कई बार आवेदन करने और संबंधित कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद उनकी पेंशन स्वीकृत नहीं हो सकी. क्षेत्र में ऐसे कई पात्र हितग्राही हैं, जिनके नाम अब भी सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं. मजदूरी और अशिक्षा के कारण वे सरकारी प्रक्रिया पूरी करने में भी कठिनाई का सामना करते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि जब पात्र लोग ही योजनाओं के लाभ से वंचित हैं तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के सरकारी दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

यह बोले हितग्राही...

70 वर्ष का हो चुका हूं, तीन साल पहले पेंशन आवेदन दिया था. आज तक कोई पूछने तक नहीं आया और ना ही पेंशन शुरू हुई. संबंधित अधिकारियों के चक्कर लगाए, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया.

- भानाजी गोयल

एक हाथ से पूरी तरह से विकलांग हूं. दो-तीन बार पेंशन के लिए पार्षद कार्यालय गया था, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई. अब 60 वर्ष की उम्र में कब तक चक्कर लगाता रहूं.

- संतोष भालसे

60 वर्ष से अधिक पत्नी की आयु है. 65 से ऊपर मेरी आयु हो चुकी है. हमारी कोई औलाद नहीं है, जिसके लिए मैंने निराश्रित पेंशन का फॉर्म भरा था, लेकिन आज तक लाभ नहीं मिला.

- मांगीलाल बड़ोदे